चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	7-6-23	9	4-8

विवि ने अपनी उपलब्धियों के कारण अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई: कुलपति

देश के कृषि शोध संस्थानों में एचएयू टॉप 10 में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में हकृवि ने 10वां स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने अपनी उपलब्धियों के कारण आज अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई है। हकृवि ने देश के कृषि शोध संस्थानों में टॉप 10 में जगह बनाई है। साथ ही देश के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शामिल रहा। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी।

- केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में एचएयू को मिला स्थान

हिसार। हकृवि का स्वर्णिम द्वार। फोटो: हरिभूमि

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के लिए शिक्षण संस्थानों को कई मापदंडों पर उनके प्रदर्शन के अनुसार अंतिम रूप दिया जाता है जिसमें सीखने और संसाधन, अनुसंधान और पेशेवर अभ्यास, आउटरीच और समावेशिता, स्नातक परिणाम और धारणा आदि शामिल हैं। यह रैंकिंग विषय डोमेन और संस्थान के प्रकार के आधार पर तैयार की जाती है।

इससे पहले भी कई उपलब्धियां हैं विश्वविद्यालय के नाम

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं। इसी प्रकार विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंट्स (एआरआईआईए) में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल कर चुका है। विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान पाया था और हाल ही में विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर को स्व-उद्यमियों के विकास की दिशा में किए जा रहे श्रेष्ठ कार्यों के लिए नाबार्ड की ओर से सम्मानित किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	7.6.23	5	1-6

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालयों की सूची

उपलब्धि: एनआईआरएफ यूनिवर्सिटी रैंकिंग में टॉप 100 में हरियाणा की चार यूनिवर्सिटी शामिल

- महर्षि मारकंडेश्वर विश्वविद्यालय छाया, मिला 78वां स्थान, 99वें स्थान पर रही हकृवि

सच कहूँ/संदीप सिंहमार

हिसार। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालयों की श्रेणी में जारी सूची में हरियाणा के चार विश्वविद्यालयों को शामिल किया गया है। जबकि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जारी की गई ओवरऑल सूची में हरियाणा के किसी भी विश्वविद्यालय को टॉप 100 में भी जगह नहीं मिल पाई। लेकिन विश्वविद्यालयों की श्रेणी में 4 विश्वविद्यालयों का नाम शामिल होने से विश्वविद्यालयों के प्रशासन में

हकृवि के स्वर्णिम द्वार व हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

खुशी की लहर है। इस सूची में महर्षि मारकंडेश्वर विश्वविद्यालय मुलाना, अंबाला को 78वां, अमेटी यूनिवर्सिटी गुरुग्राम को 94वां, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक को 96वां व एशिया में कभी अपना नाम कमाने वाली चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को 99वां स्थान मिला। हालांकि भारतवर्ष के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में हरियाणा के विश्वविद्यालयों का यह अच्छा प्रदर्शन नहीं कहा जा सकता लेकिन फिर भी चारों विश्वविद्यालय अपनी-अपनी पीठ थपथपा रहे हैं।

एग्रीकल्चर एंड एलाइड सेक्टर

सोमवार को जारी की गई अलग-अलग प्रकार की रैंकिंग में एग्रीकल्चर एंड एलाईड सेक्टर में आईसीएआर नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट करनाल को पूरे देश भर में दूसरा स्थान व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को दसवां स्थान मिला है। जबकि विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कुलपति, प्रो.बीआर काम्बोज ने देश के कृषि शोध संस्थानों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को टॉप 100 सूची में बताते हुए इसे बड़ी उपलब्धि मान कर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी है। जबकि हकृवि को यह स्थान एग्रीकल्चर एंड एलाइड सेक्टर्स में दिया गया है। सच्चाई तो यह है कि शोध संस्थानों की सूची में हरियाणा के किसी भी विश्वविद्यालय, कॉलेज, रिसर्च इंस्टीट्यूशन, इंजीनियरिंग कॉलेज, मैनेजमेंट कॉलेज, फार्मेसी कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, डेंटल कॉलेज, लॉ कॉलेज, आर्किटेक्चर एंड प्लैनिंग कॉलेज एंड विश्वविद्यालय में से कोई भी कहीं भी जगह नहीं बना पाया।

इनोवेशन में यूपी रहा आगे

इसी प्रकार इनोवेशन नवीनीकरण के मामले में भी इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कानपुर उत्तर प्रदेश को पहला इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मद्रास को दूसरा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी हैदराबाद को तीसरा स्थान मिला है। इस टॉप टेन सूची में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दिल्ली को भी चौथे स्थान पर रहकर संतोष करना पड़ा।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के लिए शिक्षण संस्थानों को कई मापदंडों पर उनके प्रदर्शन के अनुसार अंतिम रूप दिया जाता है। जिसमें सीखने और संसाधन, अनुसंधान और पेशेवर अभ्यास, आउटरीच और समावेशिता, स्नातक परिणाम और धारणा आदि शामिल हैं। यह रैंकिंग विषय डोमेन और संस्थान के प्रकार के आधार पर तैयार की जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	7.6.23	1	1-4

उपलब्धि • केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय से नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में जारी की लिस्ट

एचएयू देश के टॉप 10 कृषि शोध संस्थानों में शामिल

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएचएयू) के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में एचएयू ने 10वां स्थान प्राप्त किया है।

एचएयू कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने अपनी उपलब्धियों के कारण आज अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई है। एचएयू ने देश के कृषि शोध संस्थानों में टॉप 10 में जगह बनाई है। साथ ही देश के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में एचएयू शामिल रहा। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए विवि के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की तरफ से जारी रैंकिंग के लिए शिक्षण संस्थानों को कई मापदंडों पर उनके प्रदर्शन के अनुसार अंतिम रूप दिया जाता है जिसमें सीखने और संसाधन, अनुसंधान और पेशेवर अभ्यास, आउटरीच और समावेशिता, स्नातक परिणाम और धारणा आदि शामिल हैं। यह रैंकिंग विषय डोमेन और संस्थान के प्रकार के आधार पर तैयार की जाती है।

इससे पहले कई उपलब्धियां रही हैं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम

एचएयू को इससे पहले भी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं। इसी प्रकार विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस (एआरआईआईर) में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल कर चुका है। विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान पाया था और हाल ही में विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर को स्व-उद्यमियों के विकास की दिशा में किए जा रहे श्रेष्ठ कार्यों के लिए नाबार्ड की ओर से सम्मानित किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	7-6-23	4	3-6

कृषि शोध संस्थानों में एचएयू देश के टाप 10 में शामिल

जागरण संवाददाता, हिसार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में हकृवि ने 10वां स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने अपनी उपलब्धियों के कारण आज अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई है। हकृवि ने देश के कृषि शोध संस्थानों में टाप 10 में जगह बनाई है। साथ ही देश के टाप 100 विश्वविद्यालयों में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शामिल रहा। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी।

हकृवि के स्वर्णिम द्वार की फोटो। • जागरण आर्काइव

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। • पीआरओ

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के लिए शिक्षण संस्थानों को कई मापदंडों पर उनके प्रदर्शन के अनुसार अंतिम रूप दिया जाता है जिसमें सीखने और संसाधन, अनुसंधान और पेशेवर अभ्यास, आउटरीच और समावेशिता, स्नातक परिणाम और धारणा आदि शामिल हैं। यह रैंकिंग विषय डोमेन और संस्थान के प्रकार के आधार पर तैयार की जाती है।

इससे पहले भी कई उपलब्धियां हैं विश्वविद्यालय के नाम : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं।

इसी प्रकार विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग आफ इंस्टीट्यूशन्स आन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस (एआरआइआइए) में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल कर चुका है। विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) द्वारा 2019 के लिए जारी आइसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान पाया था। हाल ही में विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर को स्व-उद्यमियों के विकास की दिशा में किए जा रहे श्रेष्ठ कार्यों के लिए नाबार्ड की ओर से सम्मानित किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	7.6.23	5	4-6

देश के कृषि शोध संस्थानों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय टॉप 10 में : प्रो. काम्बोज

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में हकृवि को मिला स्थान

हिसार, 6 जून (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में हकृवि ने 10वां स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने अपनी उपलब्धियों के कारण आज अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई है। हकृवि ने देश के कृषि शोध संस्थानों में टॉप 10 में जगह बनाई है। साथ ही देश के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शामिल रहा। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी।

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग: केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के लिए शिक्षण संस्थानों को कई मापदंडों पर उनके प्रदर्शन के अनुसार अंतिम रूप दिया जाता है जिसमें सीखने और संसाधन, अनुसंधान और पेशेवर अभ्यास, आउटरीच और समावेशिता, स्नातक परिणाम और धारणा आदि शामिल हैं। यह रैंकिंग विषय डोमेन और संस्थान के प्रकार के आधार पर तैयार की जाती है।

इससे पहले भी कई उपलब्धियां हैं विश्वविद्यालय के नाम: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं।

इसी प्रकार विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस (एआरआईआईए) में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल कर चुका है। विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान पाया था और हाल ही में विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर को स्व-उद्यमियों के विकास की दिशा में किए जा रहे श्रेष्ठ कार्यों के लिए नाबार्ड की ओर से सम्मानित किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	07.06.2023	--	--

देश के कृषि शोध संस्थानों में चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय टॉप 10 में : प्रो. बी.आर. काम्बोज

- केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेमवर्क में हकृवि को मिला स्थान

प्रवीन कुमार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)में कृषि शोध संस्थानों में हकृवि ने 10वां स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने अपनी उपलब्धियों के कारण आज अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई है। हकृवि ने देश के कृषि शोध संस्थानों में टॉप 10 में जगह बनाई है। साथ ही देश के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शामिल रहा।

उन्होंने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के लिए शिक्षण संस्थानों को कई मापदंडों पर उनके प्रदर्शन के अनुसार अंतिम रूप दिया जाता है जिसमें सीखने और संसाधन, अनुसंधान और पेशेवर अभ्यास, आउटरीच और समावेशिता, स्नातक परिणाम और धारणा आदि शामिल हैं। यह रैंकिंग विषय डोमेन और संस्थान के प्रकार के आधार पर तैयार की जाती है।

इससे पहले भी कई उपलब्धियां हैं विश्वविद्यालय के नाम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं।

इसी प्रकार विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस (एआरआईआईए) में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल कर चुका है। विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान पाया था और हाल ही में विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर को स्व-उद्यमियों के विकास की दिशा में किए जा रहे श्रेष्ठ कार्यों के लिए नाबार्ड की ओर से सम्मानित किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	06.06.2023	--	--

देश के कृषि शोध संस्थानों में हकृवि टॉप 10 में : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में हकृवि ने 10वां स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने अपनी उपलब्धियों के कारण आज अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई है। हकृवि ने देश के कृषि शोध संस्थानों में टॉप 10 में जगह बनाई है। साथ ही देश के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शामिल रहा। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के लिए शिक्षण संस्थानों को कई मापदंडों पर उनके प्रदर्शन के अनुसार अंतिम रूप दिया जाता है जिसमें सीखने और संसाधन, अनुसंधान और पेशेवर अभ्यास, आउटरीच और समावेशिता, स्नातक परिणाम और धारणा आदि शामिल हैं। यह रैंकिंग विषय डोमेन और संस्थान के प्रकार के आधार पर तैयार की जाती है।

इससे पहले भी कई उपलब्धियां हैं विश्वविद्यालय के नाम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं। इसी प्रकार विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस (एआरआईआईए) में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल कर चुका है। विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान पाया था और हाल ही में विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर को स्व-उद्यमियों के विकास की दिशा में किए जा रहे श्रेष्ठ कार्यों के लिए नाबार्ड की ओर से सम्मानित किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष न्यूज	06.06.2023	--	--

देश के कृषि शोध संस्थानों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय टॉप 10 में : प्रो. बी. आर. काम्बोज

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में हकृवि को मिला स्थान

पाठकपक्ष न्यूज
हिसार, 6 जून : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में हकृवि ने 10वां स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने अपनी उपलब्धियों के कारण आज अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई है। हकृवि ने देश के कृषि शोध संस्थानों में टॉप 10 में जगह बनाई है। साथ ही देश के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शामिल रहा। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी।

इससे पहले भी कई उपलब्धियां हैं विश्वविद्यालय के नाम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार मिल चुके हैं। इसी प्रकार विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस (एआरआईआईए) में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल कर चुका है। विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान पाया था और हाल ही में विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर को स्व-उद्यमियों के विकास की दिशा में किए जा रहे श्रेष्ठ कार्यों के लिए नाबार्ड की ओर से सम्मानित किया गया है।

इस आधार पर तय होती है रैंकिंग

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के लिए शिक्षण संस्थानों को कई मापदंडों पर उनके प्रदर्शन के अनुसार अंतिम रूप दिया जाता है जिसमें सीखने और संसाधन, अनुसंधान और पेशेवर अभ्यास, आउटरीच और समावेशिता, स्नातक परिणाम और धारणा आदि शामिल हैं। यह रैंकिंग विषय डोमेन और संस्थान के प्रकार के आधार पर तैयार की जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	06.06.2023	--	--

देश के कृषि शोध संस्थानों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय टॉप 10 में

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 6 जून। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 के लिए जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में कृषि शोध संस्थानों में हकृवि ने 10वां स्थान प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने अपनी उपलब्धियों के कारण आज अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई है। हकृवि ने देश के कृषि शोध संस्थानों में टॉप 10 में जगह बनाई है। साथ ही देश के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शामिल रहा। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को बधाई दी। इस आधार पर तय होती है रैंकिंग केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के लिए शिक्षण संस्थानों को कई मापदंडों पर उनके प्रदर्शन के अनुसार अंतिम रूप दिया जाता है जिसमें सीखने और संसाधन, अनुसंधान और पेशेवर अभ्यास, आउटरीच और समावेशिता, स्नातक परिणाम और धारणा आदि शामिल है। यह रैंकिंग विषय डोमेन और संस्थान के प्रकार के आधार पर तैयार की जाती है।

इससे पहले भी कई उपलब्धियां हैं विश्वविद्यालय के नाम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को इससे पहले भी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार, सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पुरस्कार

मिल चुके हैं। इसी प्रकार विश्वविद्यालय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीट्यूशन्स ऑन इनोवेशन एंड एचीवमेंटस (एआरआईआईए) में कृषि विश्वविद्यालयों में देशभर में प्रथम स्थान हासिल कर चुका है। विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा 2019 के लिए जारी आईसीएआर रैंकिंग में तीसरा स्थान पाया था और हाल ही में विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर को स्व-उद्यमियों के विकास की दिशा में किए जा रहे श्रेष्ठ कार्यों के लिए नाबार्ड की ओर से सम्मानित किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	7-6-23	4	7-8

पॉलीथिन का उपयोग न करने की शपथ दिलवाई

कार्यक्रम में महिलाओं को पर्यावरण स्वच्छता की शपथ दिलाती वैज्ञानिक।

हिसार, 6 जून (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह-विज्ञान महाविद्यालय में पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा गांव ढंढूर में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना 'कृषि में महिलाएं' के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता उपस्थित रही। महाविद्यालय की ओर से 3 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को पुराने वस्त्रों से थैले व बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम की प्रायोजकता प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विभाग द्वारा की गई। मुख्यातिथि ने उपस्थित महिलाओं को दैनिक जीवन में पॉलीथिन का उपयोग न करने की भी शपथ दिलाई।

कार्यक्रम के दौरान स्लोगन लिखाई, क्विज प्रतियोगिता व 'बैस्ट आऊट ऑफ वेस्ट' प्रतियोगिता शामिल थी। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर ज्योति व द्वितीय स्थान पर ममता रही। मुख्यातिथि द्वारा सभी विजेताओं को सम्मानित भी किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	7-6-22	5	3-4

दिनचर्या में पॉलिथीन का उपयोग करने से बनाएं दूरी: डॉ. मेहता

महिलाओं को पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए शपथ दिलाती वैज्ञानिक।

हिसार(सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह-विज्ञान महाविद्यालय में पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा गांव ढंढूर में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना कृषि में महिलाएं के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता उपस्थित रही। महाविद्यालय की ओर से तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को पुराने वस्त्रों से थैले व बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम की प्रायोजकता प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विभाग द्वारा की गई।

मुख्यातिथि डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए हमें पॉलिथीन का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसके अलावा पराली को भी नहीं जलाना चाहिए ताकि पर्यावरण प्रदूषण की समस्याएं उत्पन्न न हो। उन्होंने पॉलिथीन का प्रयोग करने व पराली जलाने से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण के बारे में गहनता से जानकारी दी। साथ ही निदान भी बताए। मुख्यातिथि ने उपस्थित महिलाओं को दैनिक जीवन में पॉलिथीन का उपयोग न करने की भी शपथ दिलाई। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर ज्योति व द्वितीय स्थान पर ममता रही। मुख्यातिथि द्वारा सभी विजेताओं को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. संतोष ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	7-6-23	10	6-8

दिनचर्या में पॉलिथीन का उपयोग करने से बनाएं दूरी : डॉ. मेहता

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह-विज्ञान महाविद्यालय में पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा गांव ढंढूर में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना कृषि में महिलाएं के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता उपस्थित रही। महाविद्यालय की ओर से तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को पुराने वस्त्रों से थैले व बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम की प्रायोजकता प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विभाग द्वारा की गई। मुख्यातिथि डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए हमें पॉलिथीन का उपयोग नहीं करना चाहिए। मुख्यातिथि ने उपस्थित महिलाओं को दैनिक जीवन में पॉलिथीन का उपयोग न करने की भी शपथ दिलाई। मौके पर कार्यक्रम अधिकारी वीरेंद्र श्योराण, डॉ. एकता, डॉ. संतोष आदि मौजूद रहे।

हिसार। कार्यक्रम में होम साइंस महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता महिलाओं को सम्मानित करती हुई। फोटो : हरिभूमि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	06.06.2023	--	--

दिनचर्या में पॉलिथीन के उपयोग से बनाएं दूरी : डॉ. मंजू

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह-विज्ञान महाविद्यालय में पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा गांव ढंढूर में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना 'कृषि में महिलाएं' के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता उपस्थित रही। महाविद्यालय की ओर से तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को पुराने वस्त्रों से थैले व बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम की प्रायोजकता प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विभाग द्वारा की गई।

मुख्यातिथि डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए हमें पॉलिथीन का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसके अलावा पराली को भी नहीं जलाना चाहिए ताकि पर्यावरण प्रदूषण की समस्याएं उत्पन्न न हो।

डॉ. किरण सिंह ने बताया कि पॉलिथीन बैग का इस्तेमाल हमारी भूमि की उर्वरता को कम करता है। नोडल आफिसर डॉ. वीनू सांगवान ने महिलाओं को श्रीअन्न मोटे अनाजों को दैनिक दिनचर्या में थाली में शामिल करने व इसे खाने से होने वाले फायदों के बारे में भी सभी को बताया। डॉ. एकता रोहिल्ला ने पर्यावरण दिवस को मनाने के उद्देश्यों के बारे में बताया।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक वीरेंद्र श्योराण ने पॉलिथीन बैग की जगह कपड़े के बैग को प्रयोग में लाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान स्लोगन लिखाई, क्वीज प्रतियोगिता व 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' प्रतियोगिता शामिल थी। स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर ज्योति व द्वितीय स्थान पर ममता रही। मुख्यातिथि द्वारा सभी विजेताओं को सम्मानित भी किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	06.06.2023	--	--

दिनचर्या में पॉलिथीन का उपयोग करने से बनाएं दूरी : डॉ. मंजू

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह-विज्ञान महाविद्यालय में पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा गांव ढंढूर में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना 'कृषि में महिलाएं' के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता उपस्थित रही। महाविद्यालय की ओर से तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को पुराने वस्त्रों से थैले व बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम की प्रायोजकता प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विभाग द्वारा की गई।

मुख्यातिथि डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए हमें पॉलिथीन का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसके अलावा पराली को भी नहीं जलाना चाहिए ताकि पर्यावरण प्रदूषण की समस्याएं उत्पन्न न हो। उन्होंने पॉलिथीन का प्रयोग करने व पराली जलाने से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण के बारे में गहनता से जानकारी दी। साथ ही निदान भी बताए। मुख्यातिथि ने उपस्थित महिलाओं को दैनिक जीवन में पॉलिथीन का उपयोग न करने की भी शपथ दिलाई।

डॉ. किरण सिंह ने बताया कि पॉलिथीन बैग का इस्तेमाल हमारी भूमि की उर्वरता को कम करता है। नोडल आफिसर डॉ. वीनू सांगवान ने महिलाओं को श्रीअन्न मोटे अनाजों को दैनिक दिनचर्या में थाली में शामिल करने व इसे खाने से होने वाले फायदों के बारे में भी सभी को बताया। डॉ. एकता रोहिल्ला ने पर्यावरण दिवस को मनाने के उद्देश्यों के बारे में बताया।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक वीरेंद्र श्योराण ने पॉलिथीन बैग की जगह कपड़े के बैग को प्रयोग में लाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान स्लोग्न लिखाई, क्वीज प्रतियोगिता व 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' प्रतियोगिता शामिल थी। स्लोग्न प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर ज्योति व द्वितीय स्थान पर ममता रही। मुख्यातिथि द्वारा सभी विजेताओं को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. संतोष ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	8.6.23	4	1-4

तकनीक • डीएसआर मशीन से बिजाई करने पर आता है 500 रुपए प्रति एकड़ तक खर्च

बहुफसलीय प्लांटर से धान की सीधी बिजाई के साथ-साथ कीटनाशक का भी किया जा सकता है छिड़काव

एचएयू के कुलपति बोले- धान की सीधी बिजाई में मशीनों की भूमिका अहम

भास्कर न्यूज | हिसार

धान की सीधी बिजाई में मशीनों की भी अहम भूमिका होती है। बहुफसलीय प्लांटर से धान की सीधी बिजाई के साथ-साथ कीटनाशक का भी आसानी से छिड़काव किया जा सकता है। इसके अलावा एक 9 फले वाली डायरेक्ट सीडेड राइस(डीएसआर) मशीन से बिजाई करने पर मात्र एक एकड़ में 500 रुपए तक का खर्च आता है। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज का कहना है कि धान की सीधी बिजाई में मशीनों की भूमिका भी अहम होती है। किसानों को इस संबंध में निशुल्क टिप्स भी दिए जा रहे हैं।

पहले खेत को मशीन से समतल करना जरूरी

विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष डॉ. विजया रानी ने बताया कि धान की सीधी बिजाई करने के लिए बहुफसलीय प्लांटर का उपयोग किया जाता है, जिसमें झुकी हुई प्लेट युक्त बीज मापन यंत्र लगा हो। मशीन के पीछे खरपतवार नाशी के छिड़काव के लिए बड़ा सा टैंक व 4-6 नोजल लगी हुई होती है, जिससे धान की बिजाई साथ-साथ खरपतवार नाशी का छिड़काव भी किया जा सकता है। इस मशीन से खेत को समतल किया जाता है। एक 9-फले वाली डीएसआर मशीन के परिचालन की बात की जाए तो यदि इसे 3 किलोमीटर प्रति घंटा की औसत गति से चलाई जाए तो इसकी कार्य

क्षमता 0.45 से 0.53 हेक्टेयर प्रति घंटा एवं क्षेत्र दक्षता 80 से 85 प्रतिशत के लगभग आती है व ईंधन की खपत 2.5 से 3 लीटर प्रति घंटा के लगभग रहती है। इस मशीन की अनुमानित कीमत 70 से 80 हजार रुपये एवं बुआई का खर्च 500 रुपये प्रति एकड़ के करीब आता है।

आसानी से खत्म कर सकते हैं खरपतवार

सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. संजय ठकराल ने बताया कि धान की सीधी बिजाई में खरपतवार से निपटने के लिए बुआई के समय मिट्टी में नमी हो तो डीएसआर मशीन में लगे छिड़काव यंत्र का प्रयोग करके बुआई के साथ-साथ खरपतवार नाशी का छिड़काव किया जा सकता है।

नम व सूखी विधि से होती है धान की सीधी बिजाई

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि धान की सीधी बिजाई दो तरीकों से की जा सकती है, जिसमें पहली नम विधि व दूसरी सूखी विधि है। नम विधि में बुआई से पहले गहरी सिंचाई की जाती है। जुताई योग्य होने पर खेत तैयार कर मशीन से बुआई की जाती है। बुआई के बाद हल्का पाटा लगाकर बीज को ढक दिया जाता है। सूखी विधि में खेत को तैयार कर मशीन से बुआई की जाती है और बीज अंकुरण के लिए सिंचाई करते हैं। इस तकनीक से बिजाई करने पर किसान को धान की नर्सरी लगाने तथा रोपाई करने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे लगभग 3000 से 3500 रुपये प्रति एकड़ की बचत होती है।